13.18 hrs.

ESTIMATES COMMITTEE

Hundred and Thirteen Report

SHRI THIRUMALA RAO (Kakinada): Sir, I beg to present the Hundred and Thirteen Report of the Estimates Committee regarding action taken by Government on the recommendations contained in their Fifty-Third Report on the erstwhile Ministry of Education (now Ministry of Education and Youth Services)--Indian School of International Studies, New Delhi.

SHRI NATH PAI (Rajapur): I did not get a reply regarding my Calling-Attention Motion The Governor of West Bengal has written to the various parties asking them to show cause why another Government should not be formed, "why did you not support the Government" and all that. He has absolutely no power and this is a very serious constitutional matter. The Governor is acting *ultra vires* of the Constitution.

MR. SPEAKER: I am seeing that.

SHRI NATH PAI: Under what authority the Governor wrote that letter, I would like to know.

MR. SPEAKER: I got it very late. I could not see that when I was coming here.

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, ...(व्यवधान)...

SHRI MANUBHAI PATEL (Dabhoi): The hon. Member, Shri Kashinath Pandey has been assaulted and we wanted some information on that.

MR. SPEAKER: I am sending that to the Home Minister. (*Interruption*) About Shri Kashinath Pandey. I am sending it to the Home Minister and I will let you know. (*Interruption*)

SHRI JYOTIRMOY BASU (Diamond Harbour): The transport system in Delhi has come to a standstill. The Taxis and scooters are on strike; Members could not come to the House: it is a very serious matter.

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय,... (व्यवधान)...

SHRI JYOTIRMOY BASU: Because of the strike, we cannot move and come to the House (*Interruption*) For the past two days, we are without any transport.

श्री हुकम चन्द कछवाय (उज्जैन) : बंगाल में क्या हुआ ?...(व्यवधान)...

अध्यक्ष महोदय : मधु लिमये जी, आप बोलते क्यों नहीं हैं ।

श्री मधु लिमये : मैं तो खड़ा हुआ हूं ।... (व्यवधान)...

SHRI RAM KISHAN GUPTA (Hissar): I have given notice about the serious matter and I requested my Calling Attention to be taken up. Shri Jagjiwan Ram has stayed in Raj Bhavan and he is doing so many things. I requested that my Calling Attention must be admitted.

13.19 hrs.

MATTER UNDER RULE 377

Industrial Licencing Policy

श्री मधु लिमये (मुंगेर) : अध्यक्ष महोदय, उद्योग मन्त्री के द्वारा लाइसेंसिंग के बारे में जिस नयी नीति की घोषणा की गई है उसका सवाल मैं यहां पर उठाना चाहता हूं ।... (व्यवधान)...

AN HON. MEMBER: It can be raised after lunch hour.

श्री मधु लिमये : या तो स्थगित कर दीजिये या मुझे चलने दीजिये ।

MR. SPEAKER: About the point mentioned by you, Shri Shiva Chandra Jha we should postpone it after the lunch. I enquired about your question, Mr. Madhu

Limaye and Mr. Nath Pai, why it was not clubbed with the other Short Notice Question. I have got a copy of that. That relates to Islamabad. This question is about the labour situation. That was the difficulty about it.

Now, we adjourn for lunch and meet again at 2-25 P.M.

13.20 hrs.

The Lok Sabha Adjourned for Lunch till Twenty-five minutes past Fourteen of the Clock.

The Lok Sabha re-assembled after Lunch at twenty-seven minutes past Fourteen of the Clock.

[Mr. Speaker *in the Chair.*]

MATTER UNDER RULE 377—*Contd.*

Industrial Licencing Policy—*Contd.*

श्री मधु लिमये : अध्यक्ष महोदय, उद्योग मन्त्री द्वारा जिस नई लाइसैंसिंग नीति की घोषणा की गई है उसके बारे में मेरी कुछ आपत्तियां और आक्षेप है। इस तरह की आपत्तियां पहले भी हम लोग यहां पर उठा चुके हैं, लेकिन मन्त्री महोदय अपनी हरकतों से बाज नही आते, उनकी आदतें नही सुधरतीं, जब भी उन्हें नीति के बारे में कोई घोषणा करनी होती है...

एक माननीय सदस्य : यह क्या लेंग्वेज है ?

श्री मधु लिमये : मैंने किसी असंसदीय भाषा का प्रयोग नहीं किया है। मैंने केवल यह कहा कि यह न तो अपनी आदतें बदलते हैं और न अपनी हरकतों से बाज आते हैं। इसमें क्या असंसदीय भाषा है ?

मैं कह रहा था कि जब कभी मन्त्री महोदय को नीतियों के सम्बन्ध में कोई घोषणा करनी हो ता उन्हें चाहिए कि वह इस सदन के सामने आकर सदन को विश्वास में लेकर नई नीतियों का ऐलान करें।

मन्त्री महोदय को याद होगा कि जब दत्त कमेटी की रिपोर्ट आई तो उन्होंने आश्वासन दिया था कि इस पर सदन में बहस होगी और बहस में जो मुद्दे उपस्थित किये जायेंगे उन पर सरकार सोचेगी तथा बाद में नई नीति का ऐलान करेगी। लेकिन दत्त कमेटी की रिपोर्ट पर पिछले सत्र में बहस नहीं हो पाई। कम से कम इस सत्र के प्रारम्भ में उनको खुद इस बहस को रखवाना चाहिए था। लेकिन वह भी उन्होंने नहीं किया। उन्होंने इस सत्र के प्रारम्भ होने के दो एक दिन पहले नई नीति का ऐलान किया और उसके बाद उस नीति के विषय को स्पष्ट करने के लिए शायद पिछली 14 तारीख को, यानि 14 मार्च को उन्होंने एक वक्तव्य दिया। असल में इस सदन को कोई मौका नहीं मिल रहा है कि उद्योग मन्त्रालय की जो नीतियां हैं उनके बारे में वह अपनी राय व्यक्त करे।

यह बार-बार कहते हैं कि हम पूंजी का और आर्थिक सत्ता का केन्द्रीयकरण नहीं चाहते हैं, समाजवाद की ओर बढ़ना चाहते हैं, लेकिन उन्होंने जिस मिश्रित अर्थ-व्यवस्था को और नियन्त्रित अर्थ-व्यवस्था को पैदा किया है वह न घोड़ा है और न गधा है। वह क्या चीज है यह वही जानें।

एक माननीय सदस्य : खच्चर।

श्री मधु लिमये : खच्चर का भी उपयोग होता है, लेकिन उसका कोई उपयोग नहीं। नियन्त्रित अर्थ-व्यवस्था के कारण न केवल सत्ता का और पूंजी का केन्द्रीकरण हो रहा है बल्कि ऐसे उद्योगपतियों को बढ़ावा दिया जाता है जो हमेशा सरकार का समर्थन करते है, सरकार को पैसा देते हैं, सरकार का दरबार करते हैं और सरकार की खुशामद करते हैं। क्या सदन को इस बात का पता नहीं है कि उन लोगों को